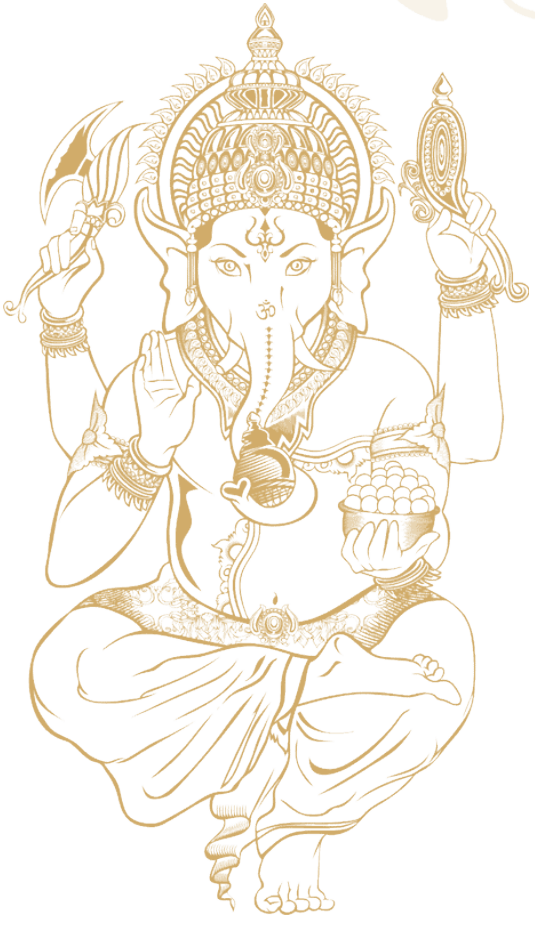

Mr.Riya Jugran

31 Jan 2002

11:55 PM

Dehradun

Model: web-freekundliweb

Order No: 119598203

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**31/01/2002**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**23:55:00 घंटे**
इष्ट	41:53:20 घटी
स्थान	**Dehradun**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	78:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:37:12 घंटे
वेलान्तर	-00:13:26 घंटे
साम्पातिक काल	08:20:24 घंटे
सूर्योदय	07:09:39 घंटे
सूर्यास्त	17:53:07 घंटे
दिनमान	10:43:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	17:49:19 मकर
लग्न के अंश	06:26:09 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	अतिगण्ड
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टे-टेस्टी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	06:26:09	308:11:11	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			मक	17:49:19	01:00:53	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	27:15:00	14:55:50	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	मित्र राशि
मंगल			मीन	15:25:39	00:43:26	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	मित्र राशि
बुध	व	अ	मक	09:00:33	01:03:26	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	13:05:33	00:05:26	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	21:57:46	01:15:18	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
शनि	व		वृष	14:12:00	00:00:49	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	02:18:24	00:06:25	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	उच्च राशि
केतु	व		धनु	02:18:24	00:06:25	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	उच्च राशि
हर्ष			कुंभ	00:11:33	00:03:25	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप			मक	14:42:02	00:02:17	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	23:06:55	00:01:32	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
दशम भाव			कर्क	08:55:50	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:55

लग्न-चलित

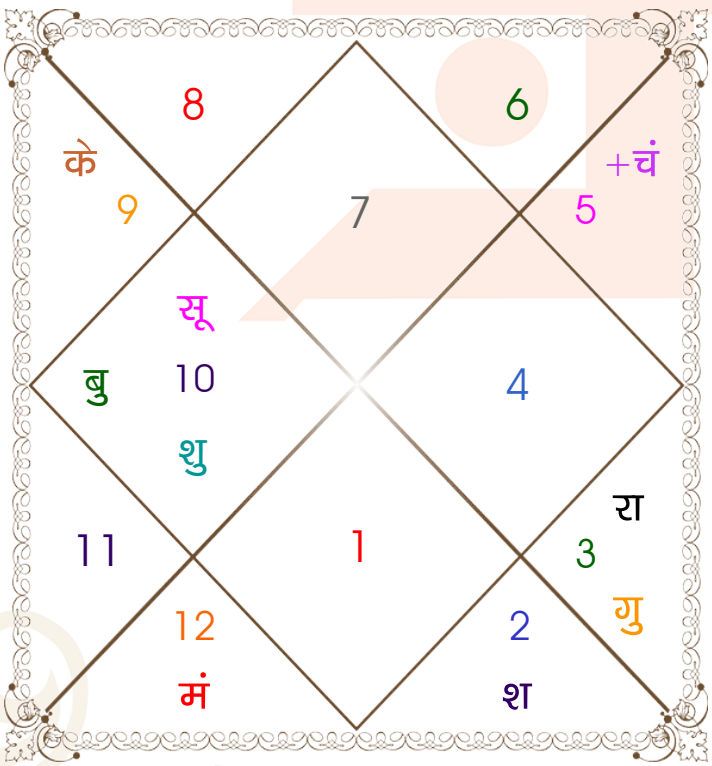

चन्द्र कुंडली

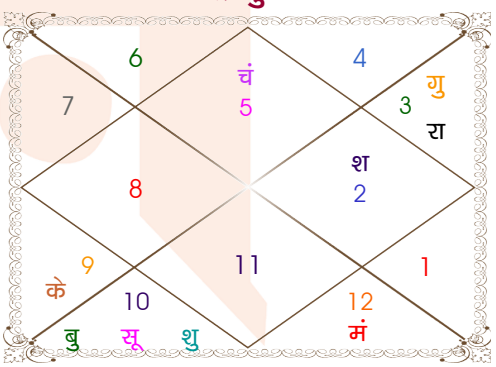

नवमांश कुंडली

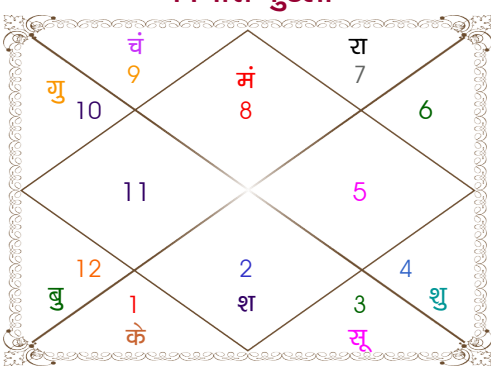

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 8 मास 25 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
31/01/2002		28/10/2007		28/10/2017		27/10/2024		28/10/2042	
28/10/2007		28/10/2017		27/10/2024		28/10/2042		28/10/2058	
सूर्य	14/02/2002	चंद्र	27/08/2008	मंगल	26/03/2018	राहु	11/07/2027	गुरु	15/12/2044
चंद्र	16/08/2002	मंगल	29/03/2009	राहु	13/04/2019	गुरु	03/12/2029	शनि	28/06/2047
मंगल	22/12/2002	राहु	27/09/2010	गुरु	19/03/2020	शनि	09/10/2032	बुध	03/10/2049
राहु	15/11/2003	गुरु	27/01/2012	शनि	28/04/2021	बुध	28/04/2035	केतु	09/09/2050
गुरु	03/09/2004	शनि	28/08/2013	बुध	25/04/2022	केतु	16/05/2036	शुक्र	10/05/2053
शनि	16/08/2005	बुध	27/01/2015	केतु	21/09/2022	शुक्र	17/05/2039	सूर्य	26/02/2054
बुध	22/06/2006	केतु	28/08/2015	शुक्र	21/11/2023	सूर्य	09/04/2040	चंद्र	28/06/2055
केतु	28/10/2006	शुक्र	28/04/2017	सूर्य	28/03/2024	चंद्र	09/10/2041	मंगल	03/06/2056
शुक्र	28/10/2007	सूर्य	28/10/2017	चंद्र	27/10/2024	मंगल	28/10/2042	राहु	28/10/2058

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
28/10/2058		28/10/2077		28/10/2094		29/10/2101		29/10/2121	
28/10/2077		28/10/2094		29/10/2101		29/10/2121		00/00/0000	
शनि	31/10/2061	बुध	25/03/2080	केतु	26/03/2095	शुक्र	27/02/2105	सूर्य	01/02/2122
बुध	10/07/2064	केतु	22/03/2081	शुक्र	25/05/2096	सूर्य	27/02/2106		00/00/0000
केतु	19/08/2065	शुक्र	21/01/2084	सूर्य	30/09/2096	चंद्र	29/10/2107		00/00/0000
शुक्र	18/10/2068	सूर्य	27/11/2084	चंद्र	01/05/2097	मंगल	28/12/2108		00/00/0000
सूर्य	30/09/2069	चंद्र	28/04/2086	मंगल	27/09/2097	राहु	29/12/2111		00/00/0000
चंद्र	02/05/2071	मंगल	25/04/2087	राहु	16/10/2098	गुरु	29/08/2114		00/00/0000
मंगल	09/06/2072	राहु	12/11/2089	गुरु	22/09/2099	शनि	29/10/2117		00/00/0000
राहु	16/04/2075	गुरु	18/02/2092	शनि	31/10/2100	बुध	28/08/2120		00/00/0000
गुरु	28/10/2077	शनि	28/10/2094	बुध	29/10/2101	केतु	29/10/2121		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 8 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगी। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने पति के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र की विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगी। आप अपने पति की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पति के आकर्षण के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकती हैं। संप्रति आप अपने साथी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगी कि आपको एक अच्छा जीवन संगी प्राप्त हुआ है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि के जीवन साथी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि के साथी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपने जीवन साथी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपके संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगी। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगी। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु बृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु अपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके, यह जानती हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकती हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाती हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकती हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति की हो जाती है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सकी तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगी। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।